प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि महाविद्यालय में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जातियों हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

पंतनगर। 9 मार्च 2024। विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति उपयोजनाओं के अन्तर्गत 'मशरूम उत्पादन तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन' तथा 'गुणवत्तायुक्त सब्जी एवं पौध उत्पादन' विषयों पर 19 फरवरी 2024 से अनवरत् जारी सात प्रशिक्षणों की श्रृंखला का आज कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्य क्षता में समपन्न हुई। प्रशिक्षणों के दौरान दोनों वर्गों के कुल 256 प्रतिभगियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में नानकमत्ता, सितारगंज, दिनेशपुर, गूलरभोज, गदरपुर, खटीमा, चारूबेटा, काशीपुर जसपुर, पंतनगर, पिथौरागढ़ आदि के प्रतिभागियों की उपस्थिति प्रमुख रही जिनमें 95 प्रतिशत से अधिक महिलाएं थी। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मशरूम उत्पादन तकनीकी तथा उनके मूल्य संवर्धन तथा सब्जी एवं पौध उत्पादन पर प्रशिक्षण प्रदान किये गये।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने सभी महिला प्रतिभागियों को महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि वैज्ञानिक तौर–तरीको को अपनाकर आधुनिक खेती करे, जिसमें सामान्य फसलों के अतिरिक्त विशिष्ट प्रकार की खेती जैसे मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन, बकरी पालन आदि करके अपनी आय बढ़ायें तथा पोषण युक्त भोजन का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के बारे में हमें सोच रख कर ही कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों से जुड़े निम्न तबके के लोगों को अच्छा पोषण नहीं मिल पा रहा है। आज के समय में आधुनिक खेती करने की आवश्यकता है। आधुनिक खेती जैसे मशरूम उत्पादन, दुग्ध से बने उत्पाद, बकरी पालन, मुर्गी पालन आदि व्यवसाय को अपनाकर आय में वृद्धि प्राप्त कर सके और अपनी जीवनचर्या में परिवर्तन लाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकते है। उन्होंने बताया कि मशरूम एक ऐसी फसल है जिसमें प्रोटिन प्रचुर मात्रा में रहता है और इसका सेवन करने से लाभ मिल सकता है।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने बताया कि अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जातियों जिनके पास व्यवसाय का अभाव है उन लोगों के लिए यह परियोजनाऐं उनके उत्थान के लिए आवश्यक होती है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के द्वारा दिया गया प्रशिक्षण महिला कृषकों को आत्मनिर्भर बनाता है। उन्होंने प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के विश्वविद्यालय स्थापना के समय दिये हुये उनके सम्बोधन को याद दिलाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर उस किसान का सम्मान देना चाहिए जो कि अपने खेत से सीधे खेत की मिट्टी में सने हुए पैर और पसीने से भीगे हुए कपड़े पहनकर आता है जिससे उसे संकोच न हो जिसको मन में रख कर यहां के वैज्ञानिक आपको प्रशिक्षण प्रदान करते है।

उन्होंने दोनों परियोजनाओं के सफलतापूर्वक समापन पर परियोजनाधिकारी को बधाई दी। विभागाध्यक्ष पादप रोग विभाग डा. योगेन्द्र सिंह ने अपने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। संयुक्त निदेशक एवं परियोजनाधिकारी मशरूम केन्द्र डा. एस.के.मिश्र और परियोजनाधिकारी, एस.सी–एस.पी. डा. ओमवीर सिंह द्वारा अपनी–अपनी परियोजनाओं मे सम्बन्धित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थी श्रीमती जानकी गोस्वामी एवं श्रीमती मंगेश्वरी ने भी प्रशिक्षणों के बारे अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम में उद्यान विभागाध्यक्ष डा. वी.के.राव, नोडल अफिसर डा. सुमित चतुर्वेदी, कृषि महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं मशरूम अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारीगण श्री सर्वेश कुमार प्रक्षेत्र सहायक, श्री सत्येन्द्र कुमार एवं अन्य कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार